सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 12 ● अंक 172 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 29 जुलाई, 2026

अपनी गलती को स्वीकारना झाड़ू लगाने के समान है जो सतह को चमकदार और साफ कर देती है।
–महात्मा गांधी

भारत ने मुक्केबाजी में पक्के किए... 7 | कांग्रेस में गुटबाजी पर चर्चा आम... 3 | धर्मेंद्र प्रधान को हटाकर, प्रधान... 2

सरकार ने 4PM की राह में बोए कांटे, उग आया जनता का भरोसा

लगातार, हर बार 4PM चैंपियन

» डाटा बीईंग की रिपोर्ट के मुताबिक 4PM साढ़े तीन साल से देश का नंबर 1 राजनीतिक चैनल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इतिहास की सबसे बड़ी विडंबनाओं में एक यह भी रही है कि सत्ता ने जब-जब किसी आवाज को रोकने की कोशिश की है वही आवाज पहले से कहीं अधिक दूर तक सुनाई दी है। किताबों पर प्रतिबंध लगे, अखबारों पर ताले जड़े गए प्रसारण रोके गए मंच छीन लिए गए लेकिन विचार कभी कैद नहीं हुए। लोकतंत्र की असली ताकत किसी सरकारी आदेश में नहीं बल्कि उस जनता के भरोसे में होती है जो तय करती है कि वह किसे सुनेगी और किसे नहीं।

4PM के साथ भी यही हुआ सरकार ने जिस कसरत के साथ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की उससे दोगुनी शक्ति के साथ देश और दुनिया के पाठकों ने **4PM** की आवाज को बुंलद किया। डाटा बीईंग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साढ़े तीन वर्षों से **4PM** नंबर वन पोजिशन पर है। गौर करने वाली बात यह दूसरी पोजिशन पर जो चैनल है वह हमारे आधे से भी कम व्यूज पर है। **4PM** पर लोगों का भरोसा पहले से ज्यादा बढ़ रहा है और यह डिजिटल मीडिया में देश की सशक्त आवाज बनकर उभर रहा है और यही वजह है कि हर दौर में यह सवाल सत्ता से बड़ा साबित हुआ है कि जनता किस पर विश्वास करती है। आदेश सत्ता लिख सकती है लेकिन इतिहास हमेशा जनता लिखती है।

एक नहीं 4PM के दो-दो चैनल देश के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले चैनलों की सूची में शामिल

Top Political Commentators on YouTube – Views Market Share (June 2026)
Excl. mainstream media. View Count as of 25th July 2026 for June Uploaded videos only

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	4PM	214.7	13%
2	NMF News	111.4	7%
3	Ajit Anjum	97.9	6%
4	DB live	95.6	6%
5	Ulta Chasma uc	92.9	6%
6	The Jaipur Dialogues	81.8	5%
7	online news india	75.2	5%
8	Dhruv Rathee	65.3	4%
9	Abhisar Sharma	65.1	4%
10	Bharat Samachar	51.1	3%
11	Sarthak Goswami	49.7	3%
12	The Live Tv	49.1	3%
13	Ravish Kumar Official	46.6	3%
14	CAPITAL TV	44.5	3%
15	The Rajneeti	39.1	2%
16	Headlines India	38.1	2%
17	The Deshbhakt (Akash Banerjee)	37.0	2%
18	The Credible History	35.8	2%
19	Jai Maharashtra News	35.3	2%
20	Pragya Ka Panna	32.4	2%
21	THE CHANAKYA DIALOGUES HINDI	30.1	2%
22	Deepak Sharma	27.9	2%
23	Satya Hindi	27.5	2%
24	National Dastak	26.1	2%
25	The Fact India	25.3	2%
26	Harish Bunnal	23.8	1%
27	Pyara Hindustan	22.0	1%
28	Apka Akhbar	21.8	1%
29	4PM UP	19.0	1%
30	Public Views India	17.6	1%

> डर और दबाव हर दौर में रहे हैं लेकिन इतिहास ने हमेशा उन लोगों को याद रखा जिन्होंने कठिन समय में भी अपने कर्तव्य को नहीं छोड़ा।

मंजिल नहीं एक नई शुरुआत

आज यदि हमें लोगों का स्नेह और समर्थन मिला है तो उसे मंजिल मत समझिए। इसे एक नई शुरुआत मानिए। हर उपलब्धि के साथ हमारी जवाबदेही और बढ़ती है। हमें पहले से बेहतर बनना है अधिक सटीक बनना है अधिक निष्पक्ष बनने का प्रयास करना है और जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को हर दिन साबित करना है। मैं उन सभी दर्शकों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हमें देखा परखा सराहा आलोचना की और फिर भी संवाद बनाए रखा। लोकतंत्र में यही संवाद सबसे बड़ी शक्ति है। हम उसी विश्वास को अपनी सबसे बड़ी पूंजी मानते हैं। हम यह संकल्प लेते है? कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों हम सत्य की खोज तथ्यों की जांच और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटेंगे। हमारी पहचान किसी शोर से नहीं बल्कि हमारे काम की गुणवत्ता हमारी विश्वसनीयता और हमारे साहस से बनेगी। आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उसी विश्वास को निभाना हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है।

बोलते हैं आंकड़े गवाही देती है एजेंसिया

डिजिटल युग में किसी मंच की पहुंच को देखने के लिए एजेंसी डाटा बीईंग के ताजा आंकड़े यह बताने के लिए काफी हैं कि कौन सा मंच अधिक दर्शकों तक पहुंच रहा है। किस प्लेटफार्म का प्रभाव घटा या फिर बड़ा है और देश की जनता किस चैनल पर ज्यादा भरोसा कर रही है। गौरतलब है कि यदि कोई मीडिया हाउस लंबे समय तक दर्शकों का ध्यान बनाए रखता है तो यह उसके लिए निश्चित रूप से एक उपलब्धि मानी जा सकती है। लेकिन उससे भी बड़ी चुनौती उस भरोसे को लगातार बनाए रखना होती है। 4PM इस भरोसे पर कायम है और वादा है कि आगे भी उसी भरोसे के साथ खड़ा रहेगा। यह भरोसा एक दिन में नहीं बल्कि वर्षों के संघर्षों का परिणाम है। संपादक संजय शर्मा के बगावती तेवर, जिद सच की और किसी भी सूरत में समझौता न करने की इच्छा शक्ति ही संस्थान का मूल मंत्र है। 4PM की राह में कांटे बोए गये, डराया गया, प्रलोभन दिये गये, चैनल को बैन किया गया एक बार नहीं दो-दो बार। लेकिन संपादक संजय शर्मा ने संघर्ष का रास्ता नहीं छोड़ा और माननीय न्यायलय से राहत मिली। किसी भी मीडिया हाउस के लिए सबसे कठिन काम शीर्ष पर पहुंचना नहीं बल्कि वहां बने रहना होता है। बदलती तकनीक, बदलती दर्शक-रुचि और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच हर दिन अपनी विश्वसनीयता सिद्ध करनी पड़ती है। ईश्वर का करम और पाठकों की दुआओं के साथ 4PM इन सभी चुनौतियों को सफलतापूर्व पार कर रहा है और आगे भी करता रहेगा क्योंकि भविष्य उन्हीं संस्थानों का होगा जो तेज होने के साथ साथ सटीक भी हों। प्रभावशाली होने के साथ साथ जिम्मेदार भी और और लोकप्रिय होने के साथ साथ विश्वसनीय भी हो।

दीवारें रास्ता रोक सकती है इरादे नहीं : संजय शर्मा

आज मैं किसी जीत का उत्सव मनाने के लिए नहीं लिख रहा हूं। मैं उस भरोसे को प्रणाम करने के लिए लिख रहा हूं जिसे आपने हर मुश्किल घड़ी में हमारे साथ खड़ा रखा। मेरे लिए पत्रकारिता कभी आसान रास्ता नहीं रही। आसान रास्ता वह होता है जहां सवाल कम हों और समझौते ज्यादा। हमने कठिन रास्ता चुना जहां हर दिन नये सवाल थे नयी चुनौतियां थीं और हर चुनौती के साथ अपने सिद्धांतों पर टिके रहने की परीक्षा भी थी। इस यात्रा में हमने प्रशंसा भी देखी आलोचना भी सुनी और ऐसे क्षण भी आए जब लगा कि हमारे सामने खड़ी दीवार बहुत ऊंची है। लेकिन हर बार आपने हमें यह विश्वास दिलाया कि दीवारें रास्ता रोक सकती हैं इरादे नहीं। मैं अपनी पूरी टीम से कहना चाहता हूं कि याद रखिए हमारा सबसे बड़ा पुरस्कार कोई ट्रॉफी कोई रैंकिंग या कोई रिकॉर्ड नहीं है। हमारी सबसे बड़ी ताकत वह दर्शक है जो हर दिन अपना समय हमें देता है। वही हमारा असली संपादक है वही हमारा सबसे बड़ा आलोचक है और वही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा भी है। अगर उसका विश्वास हमारे साथ है तो हमारी जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं है। हमारी प्रतिबद्धता पत्रकारिता के उन मूल्यों से है जिनमें सवाल पूछना कमजोरी नहीं बल्कि लोकतंत्र की ताकत माना जाता है। हमारा उद्देश्य किसी के पक्ष या विपक्ष में खड़ा होना नहीं बल्कि उन मुद्दों को सामने लाना है जिन पर जनता जवाब चाहती है। यही पत्रकारिता की आत्मा है और यही हमारी दिशा भी रहेगी। मैं अपने युवा साथियों से विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि डर और दबाव हर दौर में रहे हैं लेकिन इतिहास ने हमेशा उन लोगों को याद रखा जिन्होंने कठिन समय में भी अपने कर्तव्य को नहीं छोड़ा। इसलिए अपने शब्दों को जिम्मेदारी के साथ लिखिए अपने तथ्यों को पूरी ईमानदारी से परखिए और अपनी आवाज को संयम के साथ बुलंद रखिए। विश्वास कमाने में वर्षों लगते हैं लेकिन उसे खोने में एक पल भी नहीं लगता।

धर्मेंद्र प्रधान को हटाकर, प्रधान को बचा लिया गया : अखिलेश

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा पर जमकर बरसे सपा अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा व मोदी सरकार को जमकर घेरा। अखिलेश ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान को हटाकर, प्रधान को बचा लिया गया। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने युवाओं के आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि वह इसे काफी समय से दूर से देख रहे थे। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, झुकाने वाला चाहिए, सरकार झुकती है, उन्होंने बिना नाम लिए एक मंत्री के लौटने और उनके स्वागत का भी जिक्र किया और कहा कि उससे उन्हें कोई परेशानी नहीं है, साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक प्रधान को हटाकर एक प्रधान को बचा लिया।

सपा चीफ ने कहा कि यूपी जैसे स्टेट में पेपर लीक हो रहा है, जहां से प्रधानमंत्री चुन कर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने कहा कि बीजेपी वचन नहीं, बल्कि जुमले देती है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सरकार युवाओं की सभी मांगों को स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि जो आंदोलन शुरुआत में मजाक लग रहा था, वह इतना गंभीर हो गया कि सरकार को धरने की अनुमति देनी पड़ी। उन्होंने किसानों के आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि पहले धरने पर बैठने नहीं दिया गया, लेकिन जब चुनाव नजदीक आए तो सरकार ने तीनों कृषि कानून वापस ले लिए. उन्होंने कहा, झुकाने वाला चाहिए, सरकार भी झुकती है।

जो लोग चढ़ावा नहीं बचा पाए, वे पेपर लीक क्या बचाएंगे

कन्नौज सांसद ने दावा किया कि यह पहला ऐसा आंदोलन था जिसमें युवाओं के साथ उनके माता-पिता भी खुलकर जुड़े और उन्हें आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं रहा। पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा, जो लोग चढ़ावा नहीं बचा पाए, वे पेपर लीक क्या बचाएंगे, किसकी आंखों में धूल झोंक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक 20 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं।

लोकसभा में उठा जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा

समाजवादी पार्टी प्रमुख ने सरकार पर आउटसोर्सिंग को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को डर है कि कहीं सरकार पूरे शासन को ही आउटसोर्स न कर दे. उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी तक को आउटसोर्स किया गया है तो आखिर इसकी जवाबदेही किसकी है. उन्होंने कहा, आखिरकार जवाबदेही किसकी थी? उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार आने के बाद से ही शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है और सरकार की नीतियों के चलते पूरी व्यवस्था ध्वस्त होती जा रही है।

सरकार ने गांधी जी के विचारों को कफन पहनाया : डिंपल यादव

» लोस में चर्चा के दौरान भाजपा पर बरसीं सपा सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद डिंपल यादव ने नीट प्रश्नपत्र लीक का विरोध कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग करने को लेकर एनडीए सरकार पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी के विचारों को कफन पहना दिया। उन्होंने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 26 पर चर्चा में भाग लेते हुए पिछले 40 दिनों में आत्महत्या करने वाले 20 विद्यार्थियों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने सवाल किया, ''जब 24 में कानून लाया गया था, तब भी यह लीकेज क्यों हुई? कहीं यह सरकार का षडयंत्र तो नहीं है? या तो यह षडयंत्र है या सरकार के सिस्टम में परमानेंट लीकेज है।'' सपा सांसद ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान दिखे 'जेन जेड' के हौसले की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रशासन से मुकाबला किया और अहंकारी सरकार के आगे झुकने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ''जो लोग (महात्मा) गांधी जी के विचारों के साथ सत्य अहिंसा की लड़ाई लड़ रहे थे, आपने उन्हें कफन पहनाने का काम किया। गांधी जी के विचारों को कफन पहनाने का काम किया। डिंपल यादव ने कहा, आपने बेटियों के कपड़े फाड़े, पैलेट गन चलाए, कील लगे डंडे से बच्चों के सिर फोड़े और बिहार में एके-47 का इस्तेमाल किया। उन्होंने भाजपा सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा, आपातकाल वाकई में देखना था तो आपको सड़कों पर आकर देखना था, जब बच्चे खून बहा रहे थे उस समय आप संसद में सुरक्षित रूप से बैठे हुए थे। उन्होंने कहा, एक सांसद बच्चों को अराजक तत्व कह रहे थे। क्या आप हमारे बच्चों को अराजक कहेंगे? कांग्रेस के दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार ने मन से और सोच समझ कर यह विधेयक नहीं लाया। इसी तरह का कानून 024 में भी बना था और संशोधन विधेयक में आपने सजा का प्रावधान कड़ा कर दिया है।

त्वरित अदालत भाजपा का नया जुमला

उन्होंने यह भी दावा किया कि ''त्वरित अदालत भाजपा का नया जुमला है।'' उन्होंने कहा कि कानून बनाना ही था तो उसमें पहली पंक्ति यह होनी चाहिए थी कि अगली बार नीट पेपर लीक होगा तो शिक्षा मंत्री का इस्तीफा पहले आएगा। हुड्डा ने कहा, 12 साल आपकी सरकार रहने के बाद हमारी युवा पीढ़ी चौराहे पर आ गई, यह आपका रिपोर्ट कार्ड है। बारह साल बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था भी चौपट हो गई इसलिए युवाओं को आगे आना पड़ा।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने किसान आंदोलन, पहलवानों के विरोध प्रदर्शन को दबाने की तर्ज पर ही इस छात्र आंदोलन पर अपने उसी 'टूल किट' का इस्तेमाल किया। लोजपा (रामविलास) के अरूण भारती ने विधेयक का समर्थन करते हुए सुझाव दिया कि जो व्यक्ति पेपर लीक की सूचना देता है उसे संरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर रद्द परीक्षा की जांच सार्वजनिक होनी चाहिए और इसे सदन के पटल पर रखी जानी चाहिए।

वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के सदन में न होने पर दिखाई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सदन में उपस्थित नहीं होने का जिक्र करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री यह नहीं सुनना चाहते कि देश के सांसद क्या कह रहे हैं। उन्होंने दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के छर्रे से लगी चोटों वाले कई वीडियो सामने आने का हवाला देते हुए गृह मंत्री से सदन में आने तथा एक निष्पक्ष जांच का आदेश देने की मांग की।

तृणमूल कांग्रेस की शर्मिला सरकार ने कहा किजंतर मंतर पर यह दिखा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन एक लोकतांत्रिक अधिकार है और हर किसी को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है, लेकिन ''हमारे प्रधानमंत्री के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करना निंदनीय है।हम छात्रों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज की भी निंदा करते हैं।'' शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत ने जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 1-15 साल में मैंने ऐसा आंदोलन नहीं देखा, ''कॉकरोच डटकर खड़े रहे।'' उन्होंने मुंबई में रिया अहीर नाम की लड़की के पुलिस वाहन के सामने डटकर खड़े होने का भी उल्लेख किया। सावंत ने नीट अभ्यर्थियों के प्रति संवेदनशील रुख अपनाने की अपील करते हुए कहा कि सदन में ''जितने बड़े लोग हैं उनके बच्चे कहां पढ़ रहे हैं, एक-एक का नाम लेकर बोल सकता हूं कि किनके बच्चे कहां पढ़ते हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान लड़कियों के साथ जो बर्बरता की गई वह कहीं भी देखने को नहीं मिला था। आईयूएमएल के ई टी मोहम्मद बशीर ने कहा कि नीट संकट महज एक परीक्षा संकट नहीं, बल्कि जन विश्वास का संकट है।

कांग्रेस आजम खां के साथ है : अजय राय

कंगना के बयान पर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, पार्टी ने कहा-बेटियों से मांगे माफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस की नेताओं ने मंगलवार को भाजपा सांसद कंगना रनौत की टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन किया। भाजपा सांसद का पुतला फूंका। चेतावनी दी कि गलत बयानबाजी नहीं थमी तो भाजपा सांसदों एवं विधायकों के घर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आजम खां की पत्नी पूर्व सांसद तंजीम फातिमा से मुलाकात के बाद मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय पहुंचे। विश्वविद्यालय गेट धरनारत छात्रों, शिक्षकों से मिले। रामपुर के कमिश्नर द्वारा भवनों के ध्वस्तीकरण पर फिलहाल रोक लगाने पर छात्रों एवं शिक्षकों को मिठाई खिलाकर उनके संघर्ष की सराहना की। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दोहराया कि आजम खां और उनके परिवार के साथ हो रही उत्पीड़नात्मक कार्रवाई का कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है। पर्टी मो आजम खां व उनके परिवार के साथ खड़ी है और खड़ी रहेगी।

कांग्रेस से जुड़ी महिला नेताओं ने प्रदेश मुख्यालय से जुलूस निकाला। वे भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला लेकर विधानसभा की ओर बढ़ी। इस दौरान पुलिस ने रोक लिया तो प्रदेश मुख्यालय के सामने ही पुतला फूंककर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि कंगना रनौत अपनी टिप्पणी के लिए देश की बेटियों से माफी मांगे। इस दौरान प्रियंका गुप्ता, डा0 लालती देवी, अनामिका यादव, सुशीला शर्मा, सिद्धिश्री, शीला मिश्रा, डा0 ऋचा कौशिक, शिप्रा अवस्थी, जैनब हैदर, तनवीर फातिमा, सुमन प्रजापति आदि मौजूद रहीं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

देश का पूरा सिस्टम खराब हो चुका है, इसे बदलने की जरूरत : ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ ने एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश का पूरा सिस्टम खराब हो चुका है, इसे बदलने की जरूरत है। अगर इसे नहीं बदला गया तो, सरकार के लिए बड़ी आफत खड़ी हो जाएगी।

उन्होंने कहा, अगर सरकार ऐसे ही छात्रों की अनदेखी करती रही तो भारत में भी पड़ोसी देशों जैसे हालात बन सकते हैं।लोकसभा में असदुद्दीन ओवैसी ने अपने भाषण की शुरूआत एक शेर के जरिए की। उन्होंने शेर पढ़ा, कि डरा रहे हो भंवर से इन दीवारों से, जो अपनी नाव में तूफान लेकर चलते हैं। नीट यूजी विवाद के बीच पीएम मोदी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, जेन-जी के दौर में हम सभी मित्रों से हेलो फ्रेंड के सफर में आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैं उन सभी बच्चों के लिए खड़ा हूं, जिनकी पेपर लीक की वजह से जिंदगियां बर्बाद हो चुकी हैं।

ओवैसी ने सरकार को दिए सुझाव

ओवैसी ने सरकार से सिफारिश करते हुए कहा, %मैं सरकार से सिफारिश करता हूं कि वह एक लाख लाख प्रश्नों वाला, ह्न-आधारित प्रश्न बैंक बनाए। इसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक फेल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, एंटी पेपर लीक से जुड़ा कानून लाकर सरकार देश के नौजवानों को यह पैगाम दे रही है कि तुम रोड पर निकलकर आओ, हम डरेंगे। अगर लोग विरोध-प्रदर्शन के जरिए नतीजों पर विश्वास करने लगेंगे तो यह अराजकता होगी, उनका संसद पर से भरोसा उठ जाएगा।

ओवैसी ने नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के मामले को लेकर भी सरकार से सवाल पूछा। उन्होंने कहा, क्या कानून बदलने से, सेल्फी वीडियो बनाने से, स्पेशल टास्क फोर्स, स्पेशल कोर्ट बनाने बच्चे वापस आ जाएंगे ?केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए ओवैसी ने कहा, ये सरकार नौजवानों के साथ बुरा बर्ताव कर रही है। सरकार नौजवानों की तकलीफों को नहीं समझ रही है। शर्म की बात है कि पेपर लीक को रोकने के लिए भारतीय वायुसेना का इस्तेमाल किया जा रहा है।

कांग्रेस में गुटबाजी पर चर्चा आम, मचा घमासान

पंजाब-चंडीगढ़ से लेकर हरियाणा तक बवाल

चन्नी के बागी तेवर के बाद दीपेन्द्र व सुरजेवाला में मनमुटाव

» सांसद मनीष तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति पर दिया स्पष्टीकरण

» बोले सांसद- पुरानी दौर की राजनीति में विश्वास, शिष्टाचार महत्वपूर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब व चंडीगढ़ में पिछले दिनों को नया सियासी रंग देखने को मिला। जहां पंजाब में कांग्रेस में पूर्व सीएम चन्नी व वरिष्ठ नेता राजर वड़िंग के बीच मतभेद को लेकर दिल्ली दरबार तक उठापटक मची रही है। इस बीच सबसे हैरानी वाली तस्वीर पीएम मोदी व कांग्रेस नेता मनीष तिवारी के बीच बातचीत को लेकर देखी जा रही है। हालांकि सांसद मनीष तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया कार्यक्रमों में अपनी मौजूदगी को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा विकास को दलगत राजनीति से ऊपर रखा है।

वहीं सुरजेवाला व हुड्डा के बीच अनबन से भी कांग्रेस पशोपेश में है। वहीं मनीष तिवारी का कहना है कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता के हित से जुड़े विकास कार्यों का समर्थन करना उनकी जिम्मेदारी है। मनीष तिवारी ने इंटरनेट मीडिया पर जारी बयान में कहा कि 24 अगस्त 22 को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यू चंडीगढ़ स्थित डॉ. होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (टाटा मेमोरियल सेंटर) का उद्घाटन किया था, तब वह श्री आनंदपुर साहिब से सांसद होने के नाते कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि आज यह अस्पताल पूरे क्षेत्र के हजारों कैंसर मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रहा है।

हुड्डा-सुरजेवाला की टिप्पणी पर गूंजे ठहाके

प्रदेशाध्यक्ष के संबोधन के दौरान नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मुस्कुराते हुए कहा, सुरजेवाला मेरा साथ दो, सरकार लेकर आएंगे। इस पर रणदीप सिंह सुरजेवाला ने जवाब दिया, मैं तो 20 वर्षों से आपके साथ हूं, अब आप मेरा साथ दीजिए। उनके इस जवाब पर बैठक में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच ठहाके गूंज उठे। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान नेताओं में बेहतर तालमेल होता तो परिणाम अलग हो सकते थे। वहीं अनुशासन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक ने संगठन को एकजुट होकर नए प्रभारी के नेतृत्व में आगे बढ़ने की सलाह दी। सभी नेताओं को सुनने के बाद प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि उन्हें पता है कि संगठन के लिए कौन ईमानदारी से काम कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में जिम्मेदारी और पद काम के आधार पर ही दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की राजनीतिक परिस्थितियों का गहराई से विश्लेषण कर संगठन को मजबूत किया जाएगा।

दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़ों से रखी बात

इसके बाद सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पांच लोकसभा सीटें जीतीं और विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को कड़ी टक्कर दी। दोनों दलों के मत प्रतिशत में बेहद कम अंतर रहा। उन्होंने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार कर्मबीर बौद्ध की जीत का भी उल्लेख किया। दीपेंद्र के वक्तव्य के बाद राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि वोट प्रतिशत बढ़ना और सांसदों की संख्या बढ़ना महत्वपूर्ण है लेकिन अंतिम लक्ष्य सरकार बनाना होता है। पार्टी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि नेता एक-दूसरे से स्पष्ट बातें नहीं करते। हरियाणा में कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गुटबाजी नहीं

सबसे पहले सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गुटबाजी नहीं, अलग-अलग समूह होना स्वाभाविक है लेकिन स्थिति तब गलत हो जाती है जब कार्यकर्ता एक-दूसरे से नमस्ते तक नहीं करते। उन्होंने कहा कि अनुकूल माहौल होने के बावजूद विधानसभा चुनाव हारना आत्ममंथन का विषय है। हर नए प्रभारी के आने पर चर्चा तो होती है लेकिन कथनी और करनी में अंतर रह जाता है। नए प्रभारी से काफी उम्मीदें हैं।

हरियाणा कांग्रेस के नए प्रभारी के सामने गुटबाजी की परतें खुलीं

प्रदेशाध्यक्ष के संबोधन के दौरान नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मुस्कुराते हुए कहा, सुरजेवाला मेरा साथ दो, सरकार लेकर आएंगे। इस पर रणदीप सिंह सुरजेवाला ने जवाब दिया, मैं तो 20 वर्षों से आपके साथ हूं, अब आप मेरा साथ दीजिए। उनके इस जवाब पर बैठक में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच ठहाके गूंज उठे। हरियाणा कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी संजय दत्त की प्रदेश में पहली जनरल बॉडी बैठक महज औपचारिक परिचय तक सीमित नहीं रही। पार्टी मुख्यालय में बंद कमरे में हुई बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने गुटबाजी, विधानसभा चुनाव-24 की हार, संगठनात्मक अनुशासन और भविष्य की रणनीति पर खुलकर अपनी बात रखी। बैठक के अंत में प्रभारी संजय दत्त ने स्पष्ट संदेश दिया कि संगठन में पहचान और जिम्मेदारी उसी को मिलेगी, जो जमीन पर सक्रिय होकर काम करेगा। बैठक की शुरुआत में संजय दत्त ने वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों, पूर्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन की स्थिति पर फीडबैक लिया। चर्चा के दौरान मीडिया को प्रवेश नहीं दिया गया ताकि नेता खुलकर विचार रख सकें।

परियोजनाओं से लोगों का जीवन होगा बेहतर

कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि 17 जुलाई 26 को प्रधानमंत्री ने चंडीगढ़ और उनके पूर्व संसदीय क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब से जुड़े कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से लोगों का जीवन बेहतर होगा, इसलिए वह कार्यक्रम में शामिल हुए। तिवारी ने कहा कि पिछले 45 वर्षों के राजनीतिक जीवन में उन्होंने देखा है कि देश की राजनीति लगातार अधिक विषाक्त और कटु होती जा रही है, जहां राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को दुश्मन की तरह देखा जाने लगा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण बन चुकी है। उन्होंने कहा कि वह आज भी पुराने दौर की राजनीति में विश्वास रखते हैं, जहां शिष्टाचार, प्रोटोकॉल और विकास को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखा जाता था। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास के मुद्दों पर उनकी यही सोच आगे भी कायम रहेगी, चाहे कोई इसके बारे में कुछ भी सोचे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले कांग्रेस सांसद,-युवा पीढ़ी की बड़ी सफलता, जो न कभी डरे, न पीछे हटे

चंडीगढ़ में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने धर्मेंद्र प्रधान के केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफे पर कहा, भारत की युवा पीढ़ी की यह बहुत बड़ी सफलता है। यह दर्शाती है कि कोई भी सरकार हो उसे लोगों की भावनाओं के सामने झुकना पड़ता है। इसका श्रेय उन नौजवानों को जाता है जिन्होंने लाठी और गोली सही। जो न कभी डरे और न ही पीछे हटे। भारत की शिक्षा प्रणाली में सुधार किए जाने जरूरी हैं। इस देश में रचनात्मक चर्चा हो रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शिक्षा व चिकित्सा में लापरवाही व मनमानी कब दूर होगी

आज कल देश में शिक्षा व चिकित्सा दो ऐसे क्षेत्र है जहां लापरवाही आम बात है। सरकारें कानू बना देती हैं पर मानीटरिंग नहीं करतीं हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में मनामनी जारी है। जिसका खामियाजा मरीज भुगतते हैं। सरकारी अस्पतालों में अभाव के चलते मरीज प्राइवेट के चक्कर में फंस जाते हैं। वहां भी पैसे की उगाही के चलते मरीज परेशा रहता है। इस चक्कर में वह दूसरे डॉक्टरों के यहां प्रयास करता है। आजकल ये देखने को मिल रहा है मरीज चिकित्सक बदलता रहता है पर बीमारी जस का तस रहता है। सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि समय के साथ सोच में एक बड़ा बदलाव तेजी से यह देखने में आ रहा है कि यदि जुखाम, बुखार, खांसी जैसी सामान्य बीमारी में भी डॉक्टर की दवा से तत्काल राहत नहीं मिलती तो अब डॉक्टर बदलने में कोई गुरेज नहीं होता। देखा जाएं तो तुरंत स्वास्थ्य लाभ की प्रवृति के कारण डॉक्टर के ईलाज पर विश्वास में कहीं ना कहीं कमी देखने में आने लगी है और इसके परिणाम स्वरुप महानगरों में डॉक्टर शापिंग का नया ही चलन चलने लगा है।

खासतौर से मरीज से मिलने-मिलाने वाले चिकित्सक बदलने की सलाह देने में किसी तरह का कोई गुरेज नहीं करते। चिकित्सक बदलने में कोई बुराई नहीं है पर जिस चिकित्सक से ईलाज करवा रहे हैं उससे बीमारी ठीक होने की संभावना के संबंध में चर्चा करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अन्य चिकित्सक की सलाह लेना और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करके चलना होगा। बीच ईलाज ही बार बार डाक्टर बदलने के कई साइड इफेक्ट से भी दो चार होना पड़ता है और कई बार तो डॉक्टर बदलने का यह प्रयोग ईलाज पर विपरीत प्रभाव और गंभीर संकट में डाल देता है। मिसाल के तौर पर सामान्य खांसी की बीमारी या पेट में गड़बड़ या वाइरल बुखार होने पर जब डॉक्टर द्वारा दवा का जो कोर्स दिया जाता है उसके पूरा होने के पहले ही यानी की मान लो पांच दिन का कोर्स दिया है तो तीसरे दिन ही अधीर होकर दूसरे डॉक्टर की शरण में जाना आम होता जा रहा है। हांलाकि यह प्रवृति कुछ ही लोगों में है पर महानगरों और बड़े शहरों में इस तरह की प्रवृति जिस तेजी से बढ़ती जा रही है वह गंभीर चिंता का सबब बनती जा रही है। चिकित्सकीय भाषा में कहा जाए तो यह प्रवृति शापिंग का एक नया रुप डॉक्टर शापिंग के रुप में तेजी से फैलती जा रही है। हो यह रहा है कि इसके साइड इफेक्ट से अनजान होकर आगे बढ़ रहे है।

आजकल ये देखने को मिल रहा है मरीज चिकित्सक बदलता रहता है पर बीमारी जस का तस रहता है। सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि समय के साथ सोच में एक बड़ा बदलाव तेजी से यह देखने में आ रहा है कि यदि जुखाम, बुखार, खांसी जैसी सामान्य बीमारी में भी डॉक्टर की दवा से तत्काल राहत नहीं मिलती तो अब डॉक्टर बदलने में कोई गुरेज नहीं होता।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शिक्षा व्यवस्था में भरोसा पैदा करने की जरूरत

सुरेश सेठ

वर्तमान स्थिति से असंतुष्ट होने पर ही आक्रोश पैदा होता है। जब मूलभूत सपने देखने का साहस भी खंडित होने लगे तो आक्रोश पैदा होता है। यह आक्रोश बहुत दिन तक अपने लिए कोई समाधान तलाशता है। लेकिन जब सब चलता है का वातावरण हो और तंत्र उदासीन होता है तो प्रतिरोध के सिवाय और कोई विकल्प नहीं रहता। शिक्षा विकासशील भारत के लिए एक आधारभूत नींव है, जब यही नींव लड़खड़ाने लगे तो युवा शक्ति निराश होकर कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हो जाती है। युवाओं के लिये यह समय परीक्षाओं का समय होता है। उन्हें ऐसे समाधान देने पड़ते हैं जो उनके भरोसे और विश्वास का जीता-जागता प्रतीक बन सके। इसके लिए एक संवाद की जरूरत होती है। संवाद जो अभिभावक का अपनी संतान के साथ हो, अध्यापक का अपने छात्र के साथ हो और नेता से अपनी जनता के साथ हो।

जब भरोसा ही खत्म होने लगे, आधारभूत नींव हिलती नजर आए और युवा संवादहीनता की स्थिति में पहुंच जाएं तब वही होता है जो इस समय दुर्भाग्य से अपने देश में हो रहा है। समस्या शिक्षा व्यवस्था के ढांचे पैदा हो गई त्रुटियों के साल-दर-साल न सुधरने से पैदा हुई। पेपर लीक या नकल कोई ऐसी समस्या नहीं जो 2024 से शुरू हुई और अब 2026 में अपने भयावह रूप में हमारे सामने आई है, मानते हैं कि यह समस्या अलग-अलग समय में अलग-अलग राज्यों में पैदा होती रही और नौजवानों के सपनों को खंडित करती रही । लेकिन शिक्षा के व्यापक प्रसार उम्मीदों की ऊंचाई के बढ़ने के साथ-साथ जब एक देश एक परीक्षा का सिद्धांत बनाकर इसे अखिल भारतीय स्तर पर लागू करने का प्रयास किया गया तो ये त्रुटियां सही न हो पाने के कारण आज भस्मासुर सी लगने लगी हैं। पेपर लीक का यह मसला इस सरकार के दौरान पैदा नहीं हुआ, इसके पीछे देश से शिक्षा व्यवस्था के अक्षम होते जाने का कारण भी था। जो त्रुटियां पैदा हो जाती हैं, उन्हें सही क्यों नहीं किया जाता, यह सवाल भी था।

इस सवाल के समाधान के लिए त्वरित एक्शन की जगह अगर बातूनी संतोष मिलेगा तो युवाओं का गुस्सा व्यापक स्तर पर फैलता नजर आएगा।

जंतर-मंतर का धरना इसलिए हुआ क्योंकि लाखों नौजवानों को अपनी शिक्षा की परिणति व परीक्षा के अर्थहीन होने का संकट नजर आने लगा। यही कारण है कि दिल्ली में ही नहीं बल्कि बिहार के अलग-अलग स्थानों, जयपुर और जम्मू से लेकर महाराष्ट्र तक युवाओं का गुस्सा सड़कों पर नजर आता है। भरोसा यूं बिगड़ता है कि तत्काल संवाद स्थापित न होने की जगह जिस नियंत्रक पुलिस को उतारा जाता है, उसकी अमानवीयता की शिकायतें आने लगती हैं। उधर राजनीति संवाद की स्थिति में आने की बजाय गतिरोध की स्थिति में आ जाती है। संसद का मानसून सत्र चल रहा है और लगातार काम नहीं हंगामा होता रहा है। विचार नहीं, आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं। उधर उखड़े हुए राजनीतिज्ञ भी अपने लिए जमीन तलाश करने की उम्मीद में नौजवानों की कतारों में रूप बदलकर घुस रहे हैं। देखते ही देखते युवा आक्रोश की यह तपिश देशभर में फैलने लगी। युवाओं का देश की व्यवस्था में विश्वास जगाना बहुत आवश्यक है। जब विपक्ष ने आरोप लगाया कि 2024 के बाद 2026 में भी इतना बड़ा पेपरलीक हुआ तो तुरंत सरकार ने दिल्ली ही नहीं बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित कर दी हैं। यह एक सही कदम है क्योंकि इससे युवाओं में भरोसा पैदा होगा कि अपराधियों को पेपर लीक जैसे अपराध का दंड तो मिलेगा। दरअसल, निहित स्वार्थी तत्वों ने पेपर लीक के इस धंधे को इतना प्रोत्साहित कर दिया कि साल-दर-साल इसके ठेकेदार यहां-वहां यह कारनामा दोहराते हुए नजर आते हैं। सरकार को इन नौजवानों की निराशा और मोहभंग की स्थिति को संबोधित करने की जरूरत है।

मार-पीटने वाले पुलिस वालों को जब हमारी बच्चियां फूल बांटकर शर्मिंदा करती हैं तो उन्हें यह फूल उन नेताओं को, मार्गदर्शकों को, अध्यापकों को भी भेंट कर देने चाहिए कि जो उनके लिए सही शिक्षा का वातावरण पैदा नहीं कर सके। आज शिक्षा के मूलभूत ढांचे और पढ़ने-पढ़ाने और परीक्षा की व्यवस्था करने वाले लोगों की मनोवृत्ति में भी परिवर्तन करने की जरूरत है। दरअसल, जल्दबाजी में सफलता प्राप्त करने वाली नई पीढ़ी नकल, गाइडों और ट्यूशनों के शार्टकट पर चल निकली। जरूरत इस शार्टकट को खत्म करके मेहनत, अध्ययन और अध्यवसाय को पुन: स्थापित करने की है। तब नौजवानों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार की गारंटी अपने आप मिल जाएगी। इस सारी समस्या का समाधान एक ही है कि मनोवृत्तियों को बदला जाए और ईमानदारी, मेहनत और उसके प्रतिफल के भरोसे की पुनर्स्थापना देश में की जाए। सबसे महत्वपूर्ण व्यवस्था में भरोसा जगाना जरूरी है।

डेंगू वैक्सीन को मंजूरी से आगे की राह

डॉ. चंद्रकांत लहरिया

एक समय था जब मलेरिया मच्छरों से फैलने वाली वह बीमारी थी जिससे ज़्यादातर भारतीय डरते थे। इसके विपरीत डेंगू को कम प्रचलित और कम खतरनाक माना जाता था। वह स्थिति अब नाटकीय रूप से उलट गई। पिछले दो दशकों में, डेंगू भारत और दूसरी जगहों पर तेज़ी से फैला। अब यह बुखार होने, अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आने और मौत तक का जाना-पहचाना कारण है, खासकर मॉनसून में और उसके बाद। फिर भी, मलेरिया के उलट - जिसके लिए असरदार दवाएं हैं- डेंगू का कोई खास एंटीवायरल इलाज नहीं है। डेंगू की वैक्सीन विकसित करना मुश्किल साबित हुआ है। कई वैक्सीन आईं, लेकिन हरेक के साथ वैज्ञानिक, सुरक्षा या क्रियान्वयन की चुनौतियां रहीं। इस परिदृश्य में, भारत के दवा नियामक संस्थान द्वारा टाकेडा संस्थान की डेंगू वैक्सीन, क्यूडेंगा को मंजूरी देना स्वागत योग्य कदम है। भारत को एक ऐसी बीमारी के खिलाफ एक अन्य हथियार की जरूरत है, जो अब सिर्फ मौसमी नहीं रही। डेंगू तेज़ी से शहरी इलाकों में फैल रहा है, बार-बार हो रहा है और इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। हालांकि, इस मंजूरी को जनस्वास्थ्य की सफलता नहीं समझना चाहिए। कोई वैक्सीन असरदार हो सकती है, लेकिन अगर वह महंगी हो, सही लोगों तक न पहुंचे या आसानी से उपलब्ध न हो, तो उसका असर सीमित हो सकता है। बाजार में उतारने की मंजूरी मिलने के बावजूद, यह वैक्सीन देश में अगले छह माह तक उपलब्ध नहीं। पहली खेप 2027 की शुरुआत में आने की उम्मीद है। अनुमान है कि डेंगू के कुल वैश्विक मामलों में लगभग एक-तिहाई भारत में होते हैं। पिछले दो दशकों में दर्ज किए गए संक्रमणों की संख्या ग्यारह गुणा से ज़्यादा बढ़ गई है। आधिकारिक तौर पर, भारत में 2025 में लगभग 1.2 लाख मामले और 131 मौतें दर्ज की गईं। ये आंकड़े बीमारी के असल बोझ को कम दिखाते हैं। कई संक्रमणों की जांच नहीं होती, कई मरीजों का इलाज दर्ज नहीं होता है, और कुछ मौतों की वजह आघात,रक्त स्राव जैसी जटिलताएं मान ली जाती हैं। 2026 के निगरानी आंकड़े पहले ही बताते हैं कि मुख्य मॉनसून सीज़न शुरू होने से पूर्व ही प्रसार बढ़ने लगा है। डेंगू वैक्सीन का इतिहास बताता है कि सावधानी क्यों जरूरी है। सनोफी संस्थान द्वारा विकसित डेंगवैक्सिया को शुरू में बड़ी कामयाबी माना गया था। बाद में पता चला कि जिन लोगों को कभी डेंगू नहीं हुआ था, उन्हें वैक्सीन लगने के बाद संक्रमित होने पर बीमारी बिगड़ जाने का खतरा ज्यादा बन सकता है। इस स्थिति को एंटीबॉडी-डिपेंडेंट एन्हांसमेंट कहा जाता है। इस वजह से वैक्सीन लगाने से पहले जांच जरूरी हो गई और इसे लागू करना मुश्किल। फिलीपींस में हुए विवाद ने भरोसा कम कर दिया। सबक यह नहीं कि डेंगू वैक्सीन खारिज कर दी जाए, बल्कि यह कि डेंगू की जैविकी जटिल है और सबूतों से पूर्व उत्साह नहीं बनाना चाहिए।

क्युडेंगा लेकिन अलग है। यह एक टेट्रावेलेंट लाइव-एटेन्यूएटेड वैक्सीन है जो कमजोर डीईएनवी-2 बैकबोन पर आधारित है, जिसमें अन्य तीन डेंगू सीरोटाइप का जेनेटिक मैटीरियल शामिल है। भारत ने इसे चार से साठ साल की उम्र के लोगों के लिए मंजूरी दी है। तीन महीने के अंतराल पर दो डोज में दी जाती है, जिसमें यह सत्यापन करने की जरूरत नहीं कि व्यक्ति को पहले कभी डेंगू हुआ है या नहीं। परीक्षणों में डेंगू के सत्यापित मामलों में एक साल में इसकी प्रभावशीलता करीब 80 फीसदी रही और कुछ विश्लेषणों में, 18 महीने में अस्पताल में भर्ती होने की नौबत के मामलों में 90 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। ये आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन इन्हें सावधानी से समझने की जरूरत है। तमाम संक्रमणों की तुलना में अस्पताल में भर्ती होने से बचाव होता ज्यादा मजबूत दिखाई देता है, जो एक बड़ा फायदा है। हालांकि, समय के साथ असर कम हो जाता है, और कुछ आबादी में डीईएनवी-3 और डीईएनवी-4 के लिए सबूत कमजोर या कम निश्चित रहे हैं। भारत में बाजार में इसकी उपलब्धता के बाद अलग-अलग उम्र के लोगों, इलाकों और फैल रहे सीरोटाइप के बीच निगरानी, पारदर्शी सूचना और स्थानीय स्टडीज की जरूरत होगी। क्यूडेंगा को 40 से अधिक देशों में विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व योग्यता और अनुमोदन प्राप्त हुआ है। हैदराबाद स्थित बायोलॉजिकल-ई के साथ हुई टाकेडा की साझेदारी से भारत में सालाना 5 करोड़ खुराक तक की उत्पादन क्षमता बनने की उम्मीद है, जो 2030 तक प्रति वर्ष 10 करोड़ खुराक के वैश्विक लक्ष्य में योगदान देगा। यह भारत को एक मुख्य उत्पादन केंद्र बना सकता है। फिर भी मंजूरी तो केवल शुरुआत है। किसी गोदाम, निजी क्लिनिक या सरकारी अधिसूचना में रखी वैक्सीन तब तक किसी बीमारी को नहीं रोकती जब तक यह जरूरतमंद लोगों तक न पहुंच पाए। मूल्य संबंधी सौदेबाजी, खरीद, कोल्ड-चेन व्यवस्था, स्वास्थ्य-कार्यकर्ता प्रशिक्षण, सार्वजनिक संचार और सरकारी योजना तय करेगी कि क्यूडेंगा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कवच बन जाएगी या नहीं। देश को यह तय करना होगा कि वैक्सीन का उपयोग कैसे किया जाना चाहिए। एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम न तो किफायती हो सकता है और न ही महामारी की परिभाषा के हिसाब से एक आवश्यकता है। डेंगू का खतरा असमान है और अक्सर कुछ खास शहरों, जिलों और राज्यों में इसका प्रकोप होता है। उच्च संक्रमण दर वाले इलाकों में निगरानी आधारित चरणबद्ध शुरुआत करना समझदारी होगी। सरकार को अधिक जोखिम वाली आबादी के लिए सार्वजनिक खरीद पर विचार करना चाहिए।

गर्मियों में आपको कूल और स्टाइलिश रखेंगे ये फैब्रिक्स

गर्मीयों सबसे बड़ी परेशानी होती है पसीना, चिपचिपाहट और असहजता। इसलिए गर्मी के मौसम में बेहद जरूरी है कि आप अपनी त्वचा को हेल्दी रखने के लिए सही फैब्रिक से बने कपड़े पहनें। ऐसा इसलिए, क्योंकि गर्मियों में सिंथेटिक और जॉर्जेट जैसे फैब्रिक से बने कपड़े शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ऐसे में सही फैब्रिक का चुनाव आपके दिन को आरामदायक और स्टाइलिश बना सकता है। हल्के, सांस लेने योग्य और पसीना सोखने वाले कपड़े गर्मी में बेस्ट रहते हैं। कॉटन, लिनन, रेयॉन और खादी जैसे फैब्रिक हल्के व सांस लेने वाले है, जिन्हें गर्मी के मौसम में पहनना सबसे बेहतर होता है। ये कपड़े पसीना सोखते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं, जिससे आप पूरे दिन आरामदायक महसूस करते हैं। आयुर्वेद में भी गर्मियों में कॉटन के कपड़ों को पहनने पर जोर दिया गया है। इस मौसम में कॉटन (कपास) और लिनन (सन) दो ऐसे कपड़े हैं जो सबसे उपयुक्त माने जाते हैं। कॉटन और लिनन फैब्रिक के अपने-अपने गुण हैं।

शिफॉन और जॉर्जेट

शिफॉन हल्का और फ्लोई फैब्रिक है, जो आपको स्टाइलिश बनाता है। यह फैब्रिक समर पार्टी और फंक्शन के लिए बेस्ट रहता है। शिफॉन में आकर्षक और खूबसूरत साड़ियों के विकल्प मिल जाएंगे जो आरामदायक होने के साथ ही महफिल में आपको क्लासी लुक देंगे। ये पहनने में भी बहुत आसान रहती हैं। ब्लैक और रेड कलर की ये साड़ी आप किसी फंक्शन में पहन सकती हैं। इसे आप किसी भी विशेष मौके पर डेली यूज़ में भी पहन सकती हैं। ये कॉटन साड़ी आप ऑफिस या घर में आसानी से कैरी कर सकती हैं। साथ ही किसी भी उम्र की महिला इसे पहन सकती हैं। जॉर्जेट भी हल्का और ब्रीथिबल फैब्रिक होता है। यह ट्रेंडी और मॉडर्न लुक के लिए अच्छा है। जॉर्जेट में आपको इंडोवेस्टर्न, पलाजो सेट, कुर्ता या साड़ी समेत कई ऑप्शन मिलते हैं।

लिनन

लिनन बहुत ही ब्रीथेबल और कूल फैब्रिक है। इसे ऑफिस और आउटिंग के लिए बेस्ट मान सकते हैं। लिनन की शर्ट इस मौसम में सबसे अधिक सहज और स्टाइलिश लुक देती है। लिनन फाइबर सन के पौधे से प्राप्त होता है। यह फाइबर कॉटन से अधिक मजबूत होता है, जिसका इसका उपयोग हजारों वर्षों से कपड़े बनाने में हो रहा है। लिनन कपड़े वात और पित्त दोष दोनों को संतुलित करने में मदद करते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं। लिनन कपड़ा पसीने को सोखने और जल्दी सूखने की क्षमता रखता है, जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती हैं। गर्मियों के लिए कॉटन और लिनन दोनों अच्छे विकल्प हैं। आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से, दोनों कपड़े पित्त दोष को शांत करने और शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं।

कॉटन और रेयॉन

कॉटन सबसे लोकप्रिय समर फैब्रिक है। यह हल्का, सॉफ्ट और पसीना सोखने वाला होता है। डेली वियर के लिए परफेक्ट है। गर्मियां शुरू होते ही बाजारों में कॉटन फैब्रिक की बहार आ जाती है। कॉटन यानी सूती परिधानों में कई विकल्प, जैसे कुर्ती, शर्ट, टॉप आदि आप अपने वार्डरोब में शामिल कर सकते हैं। कॉटन त्वचा के लिए कोमल और आरामदायक होता है, जबकि लिनन अधिक टिकाऊ होता है। इसलिए, अपनी पसंद और आवश्यकताओं के अनुसार, आप कॉटन या लिनन कपड़े चुन सकते हैं। दोनों ही कपड़े आपको गर्मियों में ठंडक और आराम प्रदान करेंगे। गर्मियों में आप रेयॉन फैब्रिक के परिधानों को भी अपने कलेक्शन में शामिल करें। रेयॉन दिखने में स्टाइलिश और पहनने में हल्का होता है। यह पार्टी और कैजुअल लुक के लिए अच्छा रहता है।

खादी

खादी नैचुरल फैब्रिक है जो गर्मी में ठंडक देता है। खादी फैब्रिक को एथनिक और ट्रेडिशनल लुक के लिए परफेक्ट माना जाता है। खादी फैब्रिक में आपको डिजाइन विकल्प भी मिल जाते हैं।

हंसना मना है

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा: मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति: ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए): मना रहें हो मुझे.. पति: नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

पप्पू: पापा बुलेट दिला दो, बाप: पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है.. पप्पू: यही तो देखा नहीं जाता!

पप्पू अपनी पत्नी से: अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी: 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

संता- भाई कल सर्कस देखने चलेंगे। बंता- मैं अपनी बीवी को भी लाऊंगा, संता- अगर तेरी बीवी और साली दोनों शेर के पिंजरे में गिर गयी तो तू किसे बचाएगा। बंता- भाई मैं तो शेर को बचाऊंगा, आखिर दुनिया में शेर बचे ही कितने हैं...

कहानी | गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और चिड़िया अपने अंडों की देखभाल कर रही थी। तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घोंसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्राने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंसा। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृषभ व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

मिथुन नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी।

कर्क व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

सिंह राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

कन्या व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें।

तुला राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है।

वृश्चिक प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

मकर आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है।

कुम्भ कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा।

बॉलीवुड | सम्मान

आईएफएफएम में पंकज त्रिपाठी होंगे सम्मानित

अभिनेता पंकज त्रिपाठी को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबन 2026 में प्रतिष्ठित आर्टिस्ट ऑफ डिस्टिंक्शन सम्मान मिलने वाला है। यह सम्मान भारतीय सिनेमा में उनके बेहतरीन योगदान के लिए दिया जा रहा है। इस अवॉर्ड के जरिए देश के सबसे सम्मानित कलाकारों में से एक के तौर पर उनके शानदार फिल्मी सफर का जश्न मनाया जा रहा है। यह एक खास मौका होगा, जब नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले एक्टर इस फेस्टिवल में शामिल होंगे और ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में खुद यह सम्मान लेंगे। इस सम्मान को लेकर पंकज त्रिपाठी ने कहा, इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में आर्टिस्ट ऑफ डिस्टिंक्शन सम्मान मिलना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। एक एक्टर के तौर पर मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कहानियों में भाषा या भूगोल की सीमाओं से परे जाकर दिलों को जोड़ने और लोगों को करीब लाने की कमाल की ताकत होती है। आईएफएफएम जैसे इंटरनेशनल मंच पर मेरे सफर को पहचान मिलना वाकई बहुत खास और बहुत मायने रखने वाला है। अभिनेता ने आगे कहा, मेरे करियर का हर अहम पड़ाव फिल्ममेकर्स, लेखकों, निर्देशकों, साथी कलाकारों, टेक्नीशियन्स और सबसे बढ़कर दर्शकों के भरोसे और सहयोग की वजह से ही मुमकिन हो पाया है, जिन्होंने मेरे काम को इतने प्यार से अपनाया है। यह सम्मान जितना मेरा है, उतना ही उनका भी है। बिहार के एक छोटे से गांव से आने के बाद, मैंने कभी नहीं सोचा था कि जिन कहानियों का मैं हिस्सा बनूंगा, वे एक दिन दुनियाभर में पहुंचेंगी। उन्हें इस तरह सराहा जाएगा। अभिनेता ने आगे कहा, इस सम्मान को और भी यादगार बनाने वाली बात यह है कि मैं पहली बार खुद इस फेस्टिवल में शामिल हो रहा हूं। मैं ऑस्ट्रेलिया में दर्शकों से मिलने, भारतीय सिनेमा के शानदार सफर का जश्न मनाने और इंडस्ट्री के दूसरे कलाकारों के साथ इस पल को साझा करने के लिए उत्साहित हूं।

इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई थी फिल्म

कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम बिग माउथ सीजन 7 में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया। उनके एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म पेरुसु से हुई थी। इसके बाद उन्होंने मित्रा मंडली और इधयम मुरली में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। निहारिका एनएम फिल्म भाई तेरा स्टार है से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। कॉमेडी फिल्म भाई तेरा स्टार है में राघव जुयाल लीड रोल में हैं और निहारिका उनकी लव-इंटरेस्ट के रोल में हैं। फिल्म 30 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने को तैयार नहीं थीं। निहारिका का कहना है कि उनके लिए फिल्मी सफर आसान नहीं था। उन्हें कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। निहारिका के मुताबिक, मुझे रिजेक्ट किए जाने के कई कारण थे। अब सोचने पर यह सब बहुत मजेदार लगता है। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया था। निहारिका ने कहा, मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन-स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे। उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यह उनका फैसला था। फिर स्थिति ऐसी बन गई कि या तो यह करो या वह। इसके बाद उन्होंने वह फिल्म छोड़नी पड़ी। निहारिका एनएम ने मायानगरी में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की। उन्होंने बताया, जब मैं तीन-चार साल पहले मुंबई आई थी, तो मैंने एक प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन साल तक ट्रेनिंग की थी। मैं फिल्म स्कूल गई थी और मेरा थिएटर का बैकग्राउंड भी है। वे आगे कहती हैं, मैं एक्टिंग में हाथ आजमाना चाहती थी।

निहारिका एनएम बोलीं- हीरो की शर्त के चक्कर में गई थी फिल्म

मैं अपने घर की डोर मैट थी: शिंदे

शिल्पा शिंदे ने 'लॉकअप 2' हालिया एपिसोड में दूसरे प्रतियोगियों के सामने अपने बिगड़ चुके पारिवारिक रिश्तों का जिक्र किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनकी कंधे की सर्जरी हुई तो उन्हें उनके ही घर से निकाल दिया गया था। शिल्पा शिंदे 'लॉकअप 2' में कहती हैं, 'हर्षद चोपड़ा आपको मैंने पहले चेताया था कि लोग आपका इस्तेमाल करते हैं। डोर मैट की तरह इस्तेमाल करते हैं। मैं भी अपने घर की डोर मैट थी। कुछ साल पहले मेरे कंधे की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के पांच दिन बाद मुझे मेरे ही घर से निकाल दिया गया था। आपको लगेगा कि क्या मेरे परिवार वाले इतने बुरे हैं। तो देखिए, मेरे लिए ऐसी सिचुएशन बना दी गई थी। उन्हें पता था कि मैं सेल्फ रेस्पेक्ट वाली लड़की हूं। इसलिए मैं अपना घर छोड़ दिया। दरअसल, मेरा भाई अपनी वाइफ के इंफ्लुएंस में आ गया था और मेरी मां भाई की बातों को मानती थीं।' कुछ हफ्ते पहले योगेश रावत शो से बाहर हुए थे। अब सूफी मोतीवाला और धीरज कपूर भी शो से बाहर हो चुके हैं। अब शो में राम कपूर, हर्षद चोपड़ा, आकांक्षा चमोला, श्रेया कालरा, शिल्पा शिंदे, अपूर्वा मुखीजा जैसे कई सेलेब्स बचे हैं। रियलिटी शो लॉक अप 2' को रितेश देशमुख और फराह खान होस्ट कर रहे हैं। इसमें कुछ चर्चित सेलिब्रिटीज को एक जेल के कॉन्सेप्ट वाली जगह पर प्रतियोगी के तौर पर रखा जाता है। वे बाहरी दुनिया से कटे रहते हैं। अपनी सुख-सुविधाओं से दूर उन्हें कई मुश्किल फैसलों से गुजरना पड़ता है।

बोलीं- भाई और मां के साथ रिश्ते में आ चुकी थी खटास

हवा में उड़ते हिरण देख लोगों को नहीं हुआ आंखों पर यकीन

इंटरनेट की दुनिया ही बड़ी ही अजीबोगरीब है। यहां कब क्या देखने को मिल जाए कह नहीं सकते। हाल ही में कुछ ऐसा ही नजारा देखकर इन दिनों लोग हक्के-बक्के रह गए हैं। वीडियो में कुछ हिरण हवा में उड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें देखकर हैरानी जताते हुए लोग इन्हें फ्लाइंग डीयर यानी हवा में उड़ने वाले हिरण बता रहे हैं। दरअसल, वीडियो में हवा में उड़ते दिखाई दे रहे ये हिरण असल में खुद से हवा में नहीं उड़ रहे हैं, बल्कि एक हेलीकॉप्टर से लगी रस्सी से बंधे हुए थे। यह वीडियो अमेरिका के उटाह का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि, बायोलॉजिस्ट ने इन जानवरों को जंगल की अलग-अलग जगह से पकड़कर इनमें जीपीएस कोलर्स लगाए हैं, ताकि ये अगर इस जगह को छोड़कर कहीं दूसरी जगह जाएं, जिससे उनका पैटर्न समझा जा सके। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब पर इस वीडियो को उटाह डिवीजन ऑफ वाइल्डलाइफ रिसोर्सेज ने अपने अकाउंट से शेयर किया है। वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है कि, ये सेंटा के उड़ने वाले हिरण नहीं हैं। दरअसल, हर साल ठंड के वक्त हमारे बायोलॉजिस्ट पूरे राज्य में लगभग 1200 हिरणों को पकड़ते हैं और उन पर GPS कॉलर लगाते हैं। उन्हें एक क्षेत्र में भी लाया जाता है, जहां उनके सुरक्षित रूप से जंगल में वापस जाने से पहले स्वास्थ्य की जांच होती है। ये महत्वपूर्ण प्रयास हमें हिरणों के माइग्रेशन पैटर्न की निगरानी करने और जानने में मदद करता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि, हवा में उड़ते हेलीकॉप्टर से एक रस्सी बंधी हुई है, जिसमें हिरण लटके हुए हैं। इस दौरान उनकी आंखों पर एक पट्टी बांधी गई हैं, ताकि वो डरे नहीं। वीडियो में आगे आप देखेंगे कि, कैसे थोड़ी दूर जाकर उन्हें जमीन पर उतार दिया जाता है। वीडियो में कुछ लोग हिरणों पर जीपीएस लगाते दिखाई दे रहे हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो पर यूजर्स जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

अजब-गजब | अपनी ही बारात में अपने पालतू कुत्ते को पहनाया लहंगा

फिर दूल्हे ने गोद में उठाकर लगाए ठुमके

भारत में इन दिनों विंटर वेडिंग सीजन की बड़ी धूम है। भारत में इस साल 48 लाख शादियां होने जा रही हैं, जिस पर तकरीबन 6 लाख करोड़ रुपये का खर्च आएगा। वहीं, दिवाली के बाद से देश में शादियों की धूम मची हुई है। कभी लड़की की डोली उठने के वीडियो, तो कभी बारात से मजेदार वीडियो सामने आ रहे हैं। अब एक पंजाबी फैमिली की शादी से आए बारात के वीडियो ने सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है। बारात के इस वीडियो पर लोग दूल्हे राजा पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। दरअसल, यह दूल्हे राजा अपनी ही बारात में अपने पेट (डॉग) को लहंगा पहनाकर ले गए और उसके साथ जमकर डांस किया। पंजाबी शादी की बारात से आए इस वीडियो में आप देखेंगे कि कैसे दूल्हे राजा शादी की शाही बग्गी पर रानी कलर का लहंगा पहने अपनी इस पेट (डॉगी) को गोद में उठाकर खुशी-खुशी नाच रहा है। वहीं, दूल्हे के साथ-साथ उनके रिश्तेदार भी बग्गी पर खूब मटक रहे हैं। बारात से आए इस शानदार वीडियो पर अब लोग भी खूब प्यार लुटा रहे हैं। इस बीच कमेंट बॉक्स में ऐसे भी यूजर्स हैं, जो इसे बेहद फूहड़ और बकवास बता रहे हैं। पंजाबी बारात से वायरल इस वीडियो पर 1 लाख 30 हजार से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और यह वीडियो सोशल मीडिया पर हिट हो रहा है। इस वीडियो पर एक यूजर ने लिखा है, जो इंसान अपने पालतू जानवर को इतना प्यार कर रहा है, सोचो वो अपनी पत्नी को कितना प्यार करेगा। दूसरे यूजर ने लिखा है, किस्मत वाली है वो लड़की, जिससे इस भाई की शादी हुई है, यह जानवर से इतना प्यार करता है, तो पत्नी को लाड-प्यार से रखेगा। तीसरा यूजर ने लिखा, दूल्हा राजा तो दिलदार निकला। वहीं, इस वीडियो पर कई लोगों ने दूल्हेराजा को ट्रोल भी किया है। इसमें यूजर ने लिखा है, लो जी दुल्हन को गोद में बैठ नचा रहा है। दूसरे यूजर ने लिखा है, लगता है इनके यहां दुल्हन को गोद में नचाने का रिवाज है। खैर, इस वीडियो पर नेगेटिव कम और पॉजिटिव कमेंट्स ज्यादा पोस्ट हो रहे हैं।

मप्र व बिहार में नापी जाएगी भाजपा की ताकत

दतिया व बांकीपुर में उपचुनाव कल, मतदान के लिए तैयार मतदाता

» चुनाव प्रचार खत्म, सभी दलों ने झोंकी ताकत, अब जनसंपर्क कर रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना-भोपाल। मप्र व बिहार में 30 जुलाई को क्रमशः दतिया व बांकीपुर में विस के उपचुनाव हैं। यहां पर मंगलवार को चुनाव प्रचार खत्म हो चुका हैं। भाजपा का कांग्रेस व राजद के बीच अहम मुकाबला है। जहां दतिया वहां भजपा के दिग्गज नेता नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों के उनको टिकट न दिये जाने को लेकर सुर्खियों में रहा तो वहीं बिहार का बाकीपुर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन के कारण हॉट सीट बन गया वे वहां से विधायक रहे वर्तमान में रास में जा चुके हैं। इससे पहले बांकीपुर उपचुनाव प्रचार का मंगल को आखिरी दिन था। सभी प्रत्याशियों सुबह से ही चुनावी मैदान में डटे रहे। मतदाताओं को रिझाने की हर संभव कोशिश की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मतदान से पहले ही जीत का दावा कर दिया। मतदान से पहले का अंतिम दिन राजनीतिक दलों के लिए सबसे अहम बन गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों ने अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में पूरी ताकत झोंक दी है।

नितिन नवीन ने कर दिया भाजपा प्रत्याशी की जीत का दावा

भाजपा के सामने 2023 की हार की चुनौती

दतिया लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भाजपा ने पूर्व संभागीय संगठन मंत्री आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने चुनाव में दतिया के विकास कार्यों, मेडिकल कॉलेज, सड़क, स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रमुख मुद्दा बनाया है। इसके साथ ही संगठन, राष्ट्रवाद और केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों के जरिए भी मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश की गई। भाजपा के लिए चुनौती यह है कि पिछले चुनाव में मिली हार को दोहराने से कैसे रोका जाए और अपने पारंपरिक वोट बैंक को मतदान केंद्र तक कैसे पहुंचाया जाए।

कांग्रेस को घनश्याम की छवि और स्थानीय मुद्दों पर भरोसा

कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह की व्यक्तिगत छवि पार्टी के अभियान का प्रमुख आधार रही। कांग्रेस ने किसानों, युवाओं और स्थानीय समस्याओं को मुद्दा बनाया। कुछ इलाकों में भ्रष्टाचार के आरोपों को भी चुनावी मुद्दा बनाया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रचार अभियान में पूरी ताकत लगाई। घनश्याम सिंह के परिवार के सदस्य भी जमीनी स्तर पर सक्रिय रहे, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने संगठनात्मक स्तर पर रणनीति को मजबूत किया।

भीड़ बता रही जनता का मूड क्या है : तेजस्वी

राजद की ओर से तेजस्वी यादव का रोड शो पुरानी हड़ताली मोड़ स्थित पहलवान मार्केट से शुरू हुआ। इस दौरान तेजस्वी यादव ने राजद प्रत्याशी की जीत का दावा भी किया। लगभग सात किलोमीटर लंबा यह रोड शो विभिन्न इलाकों से गुजरते हुए दोपहर करीब तीन बजे चाकरम देवी मंदिर परिसर में समाप्त हुआ। पार्टी नेताओं का दावा है कि इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक शामिल होंगे। इससे पहले सोमवार को भी तेजस्वी यादव ने रेखा गुप्ता के साथ बांकीपुर क्षेत्र में रोड शो किया था। मीठापुर स्थित राजद कार्यालय से शुरू हुआ यह जनसंपर्क अभियान चिरैया टांड़ पुल होते हुए सब्जीबाग चौराहे तक पहुंचा। रोड शो के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि लोगों की भारी भागीदारी बदलाव की इच्छा को दर्शाती है और बांकीपुर की जनता इस बार नया जनादेश देने के मूड में है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जहां राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता के पक्ष में मेगा रोड शो किया, वहीं भाजपा भी अपने उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा के समर्थन में वरिष्ठ नेताओं के साथ जनसंपर्क अभियान चला रही है। नितिन नवीन ने आज सोशल मीडिया पर लाइव आए और नीरज सिन्हा के लिए वोट मांगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि मीठापुर, चांदपुर बेला, सिपारा, दशरथा, मंदिरी, विग्रहपुर, चिरैयाटांड़, बोरिंग रोड और किदवईपुरी समेत पूरे बांकीपुर क्षेत्र में पिछले वर्षों में विकास कार्यों के कारण लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर की जनता इस बार एनडीए प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा को अपना सेवक चुनने जा रही है। वर्षों से बांकीपुर के लोगों का स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है और उसी जनसमर्थन से क्षेत्र में विकास की यात्रा लगातार आगे बढ़ी है। नितिन नवीन ने विश्वास जताया कि जिस भरोसे के साथ बांकीपुर की जनता ने दशकों से भाजपा को जनसेवा का अवसर दिया है, उसी विश्वास को कायम रखते हुए वह इस बार भी नीरज कुमार सिन्हा को भारी मतों से विजयी बनाकर विकास और जनसेवा की इस यात्रा को नई गति देगी।

भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए पंजाबियों को बदनाम कर रही : मान

» सीएम का फिर दावा- पंजाब में कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फिर दावा किया कि उनकी सरकार के साढ़े चार साल के कार्यकाल में राज्य में कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक लाभ के लिए पंजाबियों को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात के बाद मान ने कहा कि भाजपा पंजाबियों को बदनाम करने के लिए प्रश्नपत्र लीक के बारे में ''झूठे आरोप'' लगा रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। संसद भवन के दौरे के दौरान मान ने विपक्ष के कुछ सांसदों से भी मुलाकात की, जिनमें सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को राजनीतिक लाभ के लिए पंजाबियों को बदनाम करना बंद करना चाहिए'' और इसके बजाय उनके साथ राजनीतिक लड़ाई लड़नी चाहिए। भाजपा, कांग्रेस और शिअद ने पंजाब में मेडिकल परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने का आरोप लगाते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। मान ने भाजपा, कांग्रेस और शिअद पर आरोप लगाया कि वे प्रश्नपत्र लीक के झूठे आरोपों के जरिये पंजाब और वहां के मेहनती युवाओं की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बिना किसी सिफारिश और प्रश्नपत्र लीक के पूरी तरह से योग्यता के आधार पर 69,000 सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। मान ने कहा, ''लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि लोग एक-दूसरे से मिलते-जुलते रहें और बातचीत करते रहें।

अपर जिलाधिकारी- ये टेंडर वाला मामला क्या है

» महमूदाबाद नगर पालिका में 42 कार्यों के टेंडर का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वली चौधरी, सीतापुर। महमूदाबाद नगर पालिका में पीडीएफ में टेंडर छपाने और 3 - 4 कार्य ऐसे किए जाने जो पूर्ण हो चुके हैं, उनका भी पुनः टेंडर देने की खबर को 4 पीएम ने मंगलवार के अंक में ही प्रमुखता से प्रकाशित किया। इस बाबत अपर जिलाधिकारी ने अधिशाषी अधिकारी से जवाब मांगा तो उन्होंने ये बताया कि कोई गलती है तो उसे सुधारकर 7 दिन बाद टेंडर जारी किए जाएंगे। राज्य वित्त आयोग से कस्बे में विभिन्न स्थानों पर नाला और इंटर लॉकिंग का कार्य होना है। आयोग ने इसके लिए नगर पालिका को करीब डेढ़ करोड़ का बजट स्वीकृत कर दिया।

उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद ईओ ने दिया ध्यान

अधिशाषी अधिकारी- सुधार करेंगे, फिर देंगे टेंडर

पालिका ने इसके लिए पीडीएफ में टेंडर जारी कर दिया व टेंडर पड़ने की अंतिम तिथि 28 जुलाई की तारीख, खुलने के लिए 29 जुलाई तारीख नियत की लेकिन 4 पीएम न्यूज ने 28 तारीख के अंक में देने थे राष्ट्रीय में पालिका ने पीडीएफ में छपाए टेंडर, जिससे फायदा हो चाहते ठेकेदारों का इसी शीर्षक से खबर को प्रकाशित किया और एडीएम के संज्ञान में भी डाला। खबर में ये भी था कि जिन कार्यों का टेंडर दिया गया उनमें से कुछ काम हो चुके है ऐसे में टेंडर का औचित्य नहीं बनता। अपर जिलाधिकारी आयुष कुमार ने खबर का संज्ञान लेते हुए अधिशाषी अधिकारी पवन किशोर मौर्य से इस बाबत जवाब मांगा तो उन्होंने बताया कि सिर्फ एक राष्ट्रीय अखबार में ये टेंडर दिया गया और साथ ही जो गलतियां टेंडर देने में हुई वो ठीक की जाएंगी। सात दिन बाद फिर से टेंडर जारी होंगे और खोले जाएंगे। इस बाबत ईओ ने बताया आगे जो भी सामने आएगा उसके बाद आगे की जानकारी दी जाएगी।

सवाल- क्यों किए ऐसे काम

सबसे बड़ा सवाल है कि को काम आखिरकार हो चुके उनके नाम की निविदा क्यों दी गई, ये कार्य किसी अन्य मद से हो चुके हैं, ऐसे में जिसने की ये कृत्य किया जाहिर सी बात है सरकारी धन को डकारने के लिए किया गया। हालांकि यदि पारदर्शी जांच हुई तो इसका खुलासा होगा।

सवालों के घेरे में जेई, कार्यशैली पर उंगली

इस पूरे प्रकरण में जेई की भूमिका में संदिग्ध प्रतीत हो रही है क्योंकि बिना जेई की इजाजत प्रस्ताव के ये टेंडर जारी नहीं हो सकते। इसके लिए सर्वप्रथम जेई को विभागीय जिम्मेदारों के साथ बैठकर मंत्रणा करनी होती है। हालांकि अब क्या है ये जांच में ही साफ होगा।

युवाओं की चिंता है तो डोटासरा पर करें एक्शन : गौरव वल्लभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में वर्ष 2018 से 2023 के बीच कई प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, लेकिन उस समय के शिक्षा मंत्री रहे गोविंद सिंह डोटासरा को बाद में कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष बना दिया।

गौरव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या वह डोटासरा के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस दिखाएंगे। गौरव वल्लभ ने कहा कि राजस्थान में आरपीएससी, रीट, शिक्षक भर्ती और सेकेंड ग्रेड शिक्षक भर्ती सहित करीब 19 प्रमुख परीक्षाओं के पेपर लीक होने के आरोप लगे।

भारत ने मुक्केबाजी में पक्के किए तीन पदक

» राष्ट्रमंडल खेलः प्रीति और प्रिया के बाद जादूमणि भी सेमीफाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्लास्गो। भारतीय मुक्केबाजों ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रीति और प्रिया के बाद जादूमणि सिंह ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही इन्होंने पदक पक्के कर लिए हैं। वहीं, परवीन महिला 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। मुक्केबाज प्रीति पवार ने राष्ट्रमंडल खेलों में पदक पक्का कर लिया। प्रीति ने महिला 54 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में आयरलैंड की निकोल क्वाइड को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। प्रीति ने इसके साथ ही कम से कम कांस्य पक्का कर लिया है।

हालांकि, उनकी नजरें स्वर्ण पदक की होंगी। सेमीफाइनल जीतने पर प्रीति स्वर्ण पदक के लिए भिड़ेंगी। प्रीति ने क्वार्टर फाइनल में तीनों राउंड में दमदार प्रदर्शन किया और अपने पंच से विरोधी खिलाड़ी को पस्त कर दिया। तीनों ही राउंड में सभी जजों ने प्रीति के पक्ष में ही फैसला सुनाया और अंततः वह पदक सुनिश्चित करने में सफल रहीं। (भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया ने सेमीफाइनल में जगह बनाने के साथ मुक्केबाजी में भारत के लिए एक और पदक पक्का कर लिया। प्रिया ने महिला 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड की नियामह मिचेल को खंडित फैसले में 4-1 से हराया। प्रिया मिचेल के खिलाफ पहले राउंड में पिछड़ गई थीं, लेकिन उन्होंने दूसरे राउंड में दमदार वापसी की और मैच का रुख पलट दिया। तीसरे राउंड में भी प्रिया हावी रहीं। भारतीय मुक्केबाज जादूमणि सिंह ने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की है। जादूमणि ने पुरुष 55 किग्रा में जांबिया के खिलाड़ी मवेंगो मवाले को सर्वसम्मत फैसले में हराया। इस तरह जादूमणि ने भी पदक पक्का कर लिया है।

इंग्लिश काउंट चैंपियनशिप में खेलेंगी प्रतिका रावल

नई दिल्ली। इंग्लिश काउंटी क्लब वारविकशर बेयर्स ने भारत की सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल को 2026 घरेलू सत्र के अंत तक के लिए अनुबंधित किया है। क्लब ने मंगलवार को यह घोषणा की। वारविकशर बेयर्स महिला टीम के मुख्य कोच अली मेडन ने कहा, यह हमारी टीम के लिए शानदार अनुबंध है और हमें प्रतिका का एजबेस्टन में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इस समय वनडे कप अंक तालिका में हमारी स्थिति अच्छी है। प्रतिका जैसी स्तर की खिलाड़ी के जुड़ने से हमारी टीम और मजबूत होगी तथा हमें उम्मीद है कि हम सत्र का सकारात्मक अंत करेंगे। वारविकशर से जुड़ने पर प्रतिका ने कहा, वारविकशर से जुड़कर मैं बेहद खुश हूं। मैंने इस क्लब के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं। मैं यहां अपनी शुरुआत करने और टीम की हरसंभव मदद करने के लिए उत्साहित हूं। इंग्लैंड में खेलकर खुद को परखना मेरे लिए शानदार अनुभव होगा। विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में से एक एजबेस्टन पर खेलने का भी मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

राहुल गांधी के बयान के बाद तिलमिलाई बीजेपी

» लोकसभा में हंगामा कार्यवाही स्थगित
» नेता प्रतिपक्ष ने अमित शाह पर लगाया गंभीर आरोप
» कांग्रेस सांसद बोले- शाह ने प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का दिया था आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा में राहुल गांधी के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बयान से भाजपा तिलमिला गई। पेपर लीक बिल पर बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने गृहमंत्री का लोकसभा में सामना न करने और प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश देने का गंभीर आरोप लगाया।

इन आरोपों पर सत्ता पक्ष के कड़े विरोध और सबूत की मांग के बाद, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने राहुल के दावों को तथ्यात्मक आधार के बिना रिकॉर्ड पर न लेने की बात कही, जिसके बाद हंगामे के चलते कार्यवाही 3.00 बजे तक स्थगित कर दी गई ।राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में उनका सामना करने से डरते हैं। राहुल ने यह भी आरोप लगाया कि शाह ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दिया था और उन पर उनके खून में छर्रे उतारने का आरोप लगाया।

गृहमंत्री में संसद में आकर बैठने की हिम्मत नहीं

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि तथाकथित गृह मंत्री में संसद में आकर बैठने की हिम्मत नहीं है। इन बच्चों के माता-पिता में बीजेपी-आरएसएस का सामना करने की हिम्मत नहीं थी, फिर भी बच्चे वहां डटे रहे और उन पर जो कुछ भी फेंका गया, उसका सामना किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सदन में मौजूद न होने पर तंज कसते हुए गांधी ने कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि तथाकथित गृह मंत्री में लोकसभा में आकर बैठने की हिम्मत नहीं थी। इसके बाद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री ने पुलिस को गोली चलाने का आदेश दिया था। इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें वह आदेश पेश करने की चुनौती दी और कहा हमें वह आदेश दिखाएं।

रिजिजू ने आरोपों के आधार और सबूत पर उठाए सवाल

इन टिप्पणियों का सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गृह मंत्री के खिलाफ गांधी के आरोपों के आधार और सबूत पर सवाल उठाए।

राहुल गांधी की टिप्पणियों को तब तक रिकॉर्ड पर नहीं लिया जा सकता : बिरला

स्पीकर ने भी राहुल की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणियों को तब तक रिकॉर्ड पर नहीं लिया जा सकता, जब तक कि उनके दावों का कोई तथ्यात्मक आधार न हो। बिरला ने राहुल से तथ्यों पर बात करने को कहा। बिरला ने गांधी को याद दिलाया कि विपक्ष के नेता के तौर पर उनसे तथ्यों पर बात करने और बिल पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद की जाती है।

विपक्षी सांसदों ने राहुल जी को बोलने दो के नारे लगाए

विपक्षी सांसदों ने राहुल जी को बोलने दो के नारे लगाते हुए उनके भाषण जारी रखने देने की मांग की। सत्ता पक्ष का विरोध भी इस दौरान जारी रहा। लगातार विरोध प्रदर्शनों और व्यवधानों के बीच लोकसभा को दोपहर 2.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

विपक्ष के नेता का शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी पर तीखा हमला

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी पर तीखा हमला किया। उन्होंने जोशी को बलात्कारियों का बचाव करने वाला बताया और उन्हें इस पद पर नियुक्त करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले पर सवाल उठाए। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि जोशी ने बिलकिस बानो मामले में दोषी ठहराए गए लोगों का बचाव किया था। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति के पास शिक्षा मंत्रालय का प्रभार नहीं होना चाहिए। गांधी ने कहा कि बीजेपी ने ऐसे व्यक्ति को चुना है जो बलात्कारियों का बचाव करता है। वह बेहद घटिया किस्म का इंसान है।

जेन जेड का भरोसा जीतने के लिए पीएम को दिल का एंगल बदलना होगा : प्रियंका गांधी

» लोस में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया 'इंस्टाग्राम' वीडियो को लेकर लोकसभा में उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि सरकार को 'जेन जेड' का भरोसा जीतना है तो उन्हें 'कैमरे का एंगल' नहीं, बल्कि 'दिल का एंगल' भी बदलना पड़ेगा। उन्होंने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को इसका जवाब देना चाहिए कि किसके आदेश पर छात्रों के खिलाफ पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था।

प्रियंका गांधी ने 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई का उल्लेख किया और कहा कि लड़के और लड़कियों की पीठ पर पड़ने वाली हर लाठी सरकार की पीठ पर पड़ी है। उन्होंने कहा, 'आज हम सदन में एक ऐसे विधेयक में संशोधन पर चर्चा कर रहे हैं, जो24 में पारित हो चुका था। इसमें मुख्य संशोधन यही है कि पेपर लीक के अपराधियों के लिए सजा बढ़ाई जाएगी, लेकिन जब से यह विधेयक पारित हुआ है सरकार ने एक भी अपराधी को सजा नहीं दी।' उन्होंने कहा कि देश देख रहा है कि 'फेस रिकगनिशन' के जरिए, प्रदर्शन करने वाले बच्चों के नाम सार्वजनिक किए जा रहे हैं, लेकिन यही काम प्रश्नपत्र लीक के अपराधियों के लिए नहीं किया गया। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री को अपने सलाहकार बदलने चाहिए क्योंकि वह असलियत से बहुत दूर हो चुके हैं।

उन्होंने कहा, 'संसद में विपक्ष को दोषी ठहराने से, खोखले राजनीतिक खेल खेलने से काम नहीं चलेगा। अगर प्रधानमंत्री को 'जेन जेड' का भरोसा फिर से जीतना है तो नए-नए वीडियो बनाने से काम नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री को अपने कैमरे का एंगल नहीं, दिल का एंगल बदलना पड़ेगा।' कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि यह नयी पीढ़ी जागरूक है और इनमें झूठ पहचानने की अपार क्षमता है। उनका कहना था कि सरकार को यह स्वीकार करना चाहिए कि युवाओं के साथ घोर अन्याय हुआ है। प्रियंका गांधी ने कहा, इस सच को स्वीकार कीजिए, जिम्मेदारी लीजिए, ठोस कदम उठाइए और विशेषज्ञों से बातचीत कर नयी शिक्षा प्रणाली तैयार कीजिए। प्रियंका गांधी ने सरकार पर कटाक्ष जारी रखते हुए कहा, मुझे सरकार से सिर्फ इतना ही कहना है कि अपनी साख बचाइए, नीयत ठीक करिए, अकड़ का इलाज कीजिए और अपने वादों पर अमल कीजिए, क्योंकि हमने इस सरकार में बड़ी-बड़ी चोरियां देखी हैं।

उन्होंने दावा किया कि चुनावों में वोट चोरी, राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, किसानों की जमीन की चोरी और उद्योगपतियों द्वारा देश की संपत्तियों की चोरी हुई, लेकिन सबसे बड़ी चोरी तब हुई, जब देश के युवाओं का भविष्य और उनके सपने चुराए गए। उन्होंने कहा, अगर देश का युवा निराश हो गया, उसकी उम्मीद टूट गई तो सबसे बड़ी हार भारत की होगी।

प्रियंका के बयान पर संसदीय कार्य मंत्री ने जताई आपत्ति

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आपत्ति जताते हुए कहा कि नये शिक्षा मंत्री के संबंध में की गई टिप्पणी चरित्र हनन है और बिना सत्यापन के इस तरह के आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि प्रियंका गांधी अपने आरोपों को सत्यापित नहीं कर सकतीं तो उन्हें सदन से क्षमा मांगनी चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि बिना तथ्यों के इस तरह की बातें सदन में नहीं कही जानी चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रियंका गांधी वाद्रा इस तरह कोई भी आरोप लगाकर बच नहीं सकतीं। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सांसद सदन से माफी मांगें और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सरकार कोर्ट के आदेश की अनदेखी कर रही : सौरव दास

» कॉजपा ने फिर से आंदोलन की चेतावनी दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियां वापस लेने और किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई न करने के अपने वादे को पूरा नहीं किया, तो पार्टी फिर से देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी।

पार्टी ने आरोप लगाया कि उच्चतम न्यायालय के हालिया अंतरिम आदेश को छात्रों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। एक बयान में कॉजपा के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि पार्टी के विरोध प्रदर्शन से जुड़ी जनहित याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश की निर्देश संख्या चार उस आश्वासन के खिलाफ है, जो केंद्र सरकार ने 36 दिन का आंदोलन खत्म कराने के लिए बातचीत के दौरान दिया था। उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश की निर्देश संख्या चार में सरकारों को पहले से दर्ज प्राथमिकियां बरकरार रखने और जांच जारी रखने की अनुमति दी गई है। दास ने कहा, यह निर्देश 25 जुलाई को भारत सरकार की ओर से देश के युवाओं को दिए गए आश्वासन और गारंटी के विपरीत है, जिसमें कहा गया था कि प्राथमिकियां वापस ली जाएंगी और शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल किसी भी प्रदर्शनकारी को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से निशाना नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कॉजपा ने सरकार के आश्वासन पर पूरे विश्वास के साथ अपना देशव्यापी आंदोलन वापस लिया था।

दास ने आरोप लगाया कि अब यह आशंका वाजिब है कि केंद्र और भाजपा शासित राज्य उच्चतम न्यायालय के आदेश का इस्तेमाल करके प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले बरकरार रख सकते हैं। दास ने सवाल किया सरकारी वकीलों ने अंतरिम आदेश का विरोध क्यों नहीं किया, जबकि उन्हें पता था कि कॉजपा के साथ 25 जुलाई को ही समझौता हो चुका था। उन्होंने कहा, इसलिए अदालत का यह आदेश पूरी तरह स्वीकार्य नहीं है।

पुलिस अब भी छात्रों को परेशान कर रही : दीपके

'टायफाइड' से पीड़ित कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि पुलिस अब भी छात्रों को परेशान कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इसपर रोक नहीं लगी, तो बहुत बड़ा शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जाएगा। दीपके ने कहा, अगर पुलिस छात्रों को परेशान करती रही, तो कॉकरोच जनता पार्टी जल्द ही बड़ा शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेगी। सरकार को छात्रों को निशाना बनाने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने पर रोक लगानी चाहिए। कॉजपा ने जंतर-मंतर पर 36 दिन तक चला आंदोलन शनिवार को खत्म कर दिया था। पार्टी ने कहा था कि सरकार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, प्राथमिकियां वापस लेने, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बदले की कार्रवाई न करने और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों पर विचार करने समेत प्रमुख मांगें मान ली है।

आंध्र में मेगा डीएससी भर्ती प्रक्रिया को लेकर घिरे शिक्षा मंत्री नारा लोकेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। अमरावती में वाईएसआरसीपी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने पूरे आंध्र प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्य के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश के इस्तीफे और डीएससी-25 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की।

हालांकि, सत्ताधारी टीडीपी ने वाईएसआरसीपी के विरोध-प्रदर्शनों की कड़ी निंदा की। पार्टी का आरोप है कि आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा भर्ती प्रक्रिया को सही ठहराए जाने के बावजूद, विपक्षी पार्टी मेगा DSC भर्ती प्रक्रिया का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी पार्टी के युवा और छात्र संगठनों द्वारा आयोजित ये विरोध-प्रदर्शन राज्य भर में जिला और निर्वाचन क्षेत्र के मुख्यालयों पर किए गए।

मप्र में भी भाजपा के खिलाफ किसान

» सरकार से पहले दौर की वार्ता विफल, भोपाल की सड़कों पर रात भर डटे रहे किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर शत-प्रतिशत मूंग खरीद समेत विभिन्न मांगों को लेकर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंचे किसानों से मंगलवार रात सरकार ने पहले दौर की वार्ता की जो बेनतीजा रही। इस वार्ता के दौरान किसानों को आश्वस्त किया गया कि सरकार उनकी जायज मांगों के प्रति संवेदनशील है और सभी मुद्दों का शीघ्र एवं सकारात्मक समाधान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि, इसके बावजूद किसान पूरी रात सड़कों पर डटे रहे और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते रहे। किसानों के प्रदर्शन के कारण नर्मदापुरम रोड पर आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हो गई और आसपास के इलाकों में जाम लग गया। पुलिस ने परेशानी से बचने के लिए लोगों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने का सुझाव दिया है। मुख्यमंत्री आवास घेरने की घोषणा कर मंगलवार रात आगे बढ़ रहे हजारों किसानों को नर्मदापुरम रोड स्थित वीर सावरकर सेतु के पहले रोक लिया गया था। प्रशासन ने आसपास के इलाकों में मौजूद स्कूलों में बुधवार सुबह छुट्टी की घोषणा की। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं। किसानों को रोकने के लिए बड़ी संख्या में अवरोधक लगाए गए हैं तथा इसके अलावा अन्य जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) आदित्य राज सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, 'कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अवरोधक लगाए गए हैं और यातायात मार्ग परिवर्तन प्रभावी है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा